भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. †*220

सोमवार, 3 अगस्त, 2026/12 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मेहसाणा में पर्यटन स्थलों का विकास और उन्हें बढ़ावा देना

†*220. श्री हरिभाई पटेल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने मेहसाणा जिले में मोढेरा सूर्य मंदिर, थोल झील पक्षी अभयारण्य, तरंगा हिल्स, धरोई बांध, शर्मिष्ठा तलाव और कीर्ति तोरण, वडनगर को एक एकीकृत विरासत, तीर्थयात्रा और पारि-पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किए जाने की संभावना का आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो इन पर्यटक स्थलों पर अंतिम छोर तक संपर्क, आगंतुकों हेतु सुविधाओं, स्थल से भाषांतरण केंद्रों, संकेतकों, पार्किंग और डिजिटल पर्यटक सुविधाओं सहित सृजित अथवा प्रस्तावित अन्य पर्यटन अवसंरचना का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या किसी केन्द्रीय पर्यटन योजना के अंतर्गत उक्त पर्यटन स्थलों के एकीकृत विकास, संरक्षण और संवर्धन के लिए गुजरात राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान मेहसाणा जिले में पर्यटन अवसंरचना और विरासत संरक्षण के लिए स्वीकृत और जारी की गई तथा उपयोग में लाई गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन अभियानों के माध्यम से उक्त पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ङ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री हरिभाई पटेल द्वारा मेहसाणा में पर्यटन स्थलों का विकास और उन्हें बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या †*220 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (ङ): मोढेरा सूर्य मंदिर, थोल झील पक्षी अभयारण्य, तरंग पहाड़ियाँ, धरोई बांध, शर्मिष्ठा तालाब और कीर्ति तोरण, वडनगर सहित गंतव्यों की क्षमता का आकलन तथा पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र के प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन के तहत एक पहल और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' आदि के अंतर्गत राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों को, उनसे परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति पर, योजना दिशानिर्देशों और सरकारी निर्देशों के अनुरूप तथा निधियों की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने हेतु देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

स्वदेश दर्शन योजना को प्रारंभ में विषयगत पर्यटन परिपथों के एकीकृत विकास के लिए बनाया गया था, जिसे स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास को ध्यान में रख कर गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया गया, ताकि पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाया जा सके और गंतव्य का प्रभावी प्रबंधन किया जा सके।

इसके अलावा, भारत सरकार ने देश में प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों को व्यापक रूप से विकसित करने तथा वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग और विपणन करने के प्राथमिक उद्देश्य से 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना के तहत भी वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश में परियोजनाओं को मंजूरी दी है,

गुजरात राज्य में एसडी, सीबीडीडी, एसएएससीआई और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, गुजरात राज्य सरकार ने सूचित किया है कि उन्होंने मेहसाणा जिले और मोढेरा सूर्य मंदिर, थोल झील पक्षी अभयारण्य, तरंग पहाड़ियों, धारोई बांध, शर्मिष्ठा तालाब, कीर्ति तोरण और वडनगर जैसे स्थलों को एकीकृत विरासत, तीर्थस्थल और पारिस्थितिकी-पर्यटन परिपथ के रूप में उक्त विकसित करने की क्षमता का आकलन किया है। इन स्थलों में आसान पहुंच के लिए सुविकसित पैदल मार्गों सहित अंतिम छोर तक सुदृढ़ संपर्क व्यवस्था, पर्याप्त मार्गदर्शक और सूचनात्मक संकेतक, समुचित पार्किंग की सुविधा और आवश्यक पर्यटक सुविधाएं मौजूद हैं।

पर्यटन मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत गुजरात राज्य के विभिन्न स्थलों में पर्यटन अवसंरचना और पर्यटक सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को मंजूरी दी गई है। इन सुविधाओं

में पर्यटक सुविधा और व्याख्या केंद्र, आगंतुक स्वागत सुविधा, विरासत संरक्षण और क्षेत्र का विकास, पैदल मार्ग और सैरगाह, पहुंच मार्ग और अंतिम छोर तक संपर्क व्यवस्था, पार्किंग की सुविधा, मार्गदर्शक और सूचनात्मक संकेतक, विरासत संरचनाओं का प्रदीप्तिकरण और अग्रभाग की प्रकाश व्यवस्था, परिसर का सौंदर्यीकरण, एम्फीथिएटर और सांस्कृतिक क्षेत्र, कैफेटेरिया, स्मारिका और हस्तशिल्प की दुकानें, जन-सुविधाएँ, पेयजल की सुविधा, नौका विहार और तटवर्ती अवसंरचना, व्युइंग टावर, मनोरंजक और पारिस्थितिकी-पर्यटन संबंधी सुविधाएँ, सीसीटीवी और जन-संबोधन प्रणाली, पर्यटन संबंधी डिजिटल सुविधाएं (वेबसाइट और गंतव्य संबंधी जानकारी सहित), सतत पर्यटन उपाय, गंतव्य प्रबंधन पहल, कौशल विकास, एमएसएमई सहायता और अन्य अवसंरचना शामिल हैं, जिनका उद्देश्य समग्र पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाना है।

पर्यटन मंत्रालय महत्वपूर्ण और संभावित घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में विभिन्न पहलों के माध्यम से गुजरात राज्य के पर्यटन स्थलों सहित देश के पर्यटन स्थलों और उनसे जुड़े अनुभवों का समग्र रूप से संवर्धन करता है।

*****

अनुबंध

श्री हरिभाई पटेल द्वारा मेहसाणा में पर्यटन स्थलों का विकास और उन्हें बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न संख्या †*220 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

(i) गुजरात राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	अहमदाबाद - राजकोट - पोरबंदर - बारडोली - दांडी का विकास	2016-17	59.17
2.	वडनगर - मोढेरा का विकास	2016-17	91.12
3.	जूनागढ़ - गिर - सोमनाथ - भरूच - कच्छ - भावनगर - राजकोट - मेहसाणा का विकास	2017-18	26.68

(ii) गुजरात राज्य में चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**श्रेणी**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	वडनगर में शर्मिष्ठा झील का रूपान्तरण: प्रकाश और संस्कृति	संस्कृति और विरासत	2024-2025	17.29
2.	पोरबंदर में हरसिद्धि तट पर पवित्र महासागर विश्राम स्थल	आध्यात्मिक	2024-2025	24.66

(iii) गुजरात राज्य में एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	पोरबंदर के केरली (मोकारसागर) में पारिस्थितिकी पर्यटन गंतव्य	2024-25	99.50
2.	धोर्डो में टेंटिड सिटी और कन्वेंशन सेंटर	2024-25	51.56

(iv) गुजरात राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र.सं.	**परियोजना/अनुभव का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
1.	द्वारका का विकास	2016-17	10.46

2.	सोमनाथ में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2016-17	45.36
3.	सोमनाथ में सैरगाह का विकास	2018-19	47.12
4.	अंबाजी मंदिर, बनासकांठा, गुजरात में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2022-23	50.00

*****